

आदेश

कार्यवाही विवरण

अ  
क्रम

पा०४१२

पञ्जावली पेशादुरी वकीलवादी एवं वादी  
को बार-बार रकू. रकू कर भावाज लगाई  
गई परन्तु इनकी भौर से कोई भी उपचित  
न्यायालय नहीं आये। इससे स्पष्ट होता है  
कि वादी को अपने वाद में धैर्य रखिये नहीं  
सकता। वादवादी मद्रम दायरी एवं मद्रम फेरवी  
में खारिज किया जाता है। पञ्जावली पेशादुरी  
सुमार होकर दर्ज नम्बर से उम हो गया  
वाद तहमील जाया दायित्व दफ्तर है। निर्णय  
खुले न्यायालय में सुनाया गया।

ए. सी. ई. एम. (फा. ट्रे.)  
नवलगढ

